ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

31-12-2024

अब मास्टर रचयिता बन अपनी रचना को शुभ भावना से व शुभ-चिन्तक बन, भिखारियों को उनकी मांग प्रमाण सन्तुष्ट करो। अब महादानी और वरदानी बनो तब सर्व को सन्तुष्ट कर सकेंगे। जो वरदानी-मूर्त हैं; वह स्वयं स्वरुप बन, औरों को देने वाले दाता बन जाते हैं। विशेष अटेन्शन – सदा स्वयं से और सर्व से सन्तुष्ट रहना ही है, तब ही अनेक आत्माओं के इष्ट बन सकेंगे व अष्ट देवताओं में आ सकेंगे।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

Now, become a master creator and with your good wishes and by being a well-wisher, make beggars content by fulfilling their needs. Now become a great donor and a bestower of blessings and only then will you be able to make everyone content. Those who are images of blessings will be that practically and become bestowers who give to others. Pay special attention to always staying content with yourself and with others and only then will you become the special deity loved by all and become part of the eight.